

कितनी प्यारी है- साईं की चौखट  
जो भी आये वो सर को झुकाये  
भूल जाये वो सारे गमों को  
मुस्करा के यहाँ से वो जाये

किलनी-----

आज रो के तो महफिल में कह दो  
कह दो sssss कह दो sssss

आज रो के तो महफिल में कह दो-  
दर पे आया है कोई सवाली  
बड़ा नाजुक है दिल दिलबर का  
हँस के सबको गले से लगाये

किलनी-----

इनके काँसे में दौलत है इतनी

इतनी ~~~~~ इतनी ~~~~~

इनके काँसे में दौलत है इतनी

जिसको चाहें उसी को ये दे दें

बात दौलत की अपनी जगह है

तुमने इनपे न आँसू बहाये

कितनी -----

सर झुका है तुम्हारे ही दर पे

दर पे ~~~~~ दर पे ~~~~~

सर झुका है तुम्हारे ही दर पे

दुनियाँ वालों से हमको क्या लेना

बन गया बाबा तेरा "श्री बाबा श्री" ये

हर बरस तेरे दर पे ही आये

कितनी प्यारी -----